लाइव

"डेयरी फार्मिंग एवं दुग्ध प्रसंस्करण"

पर

उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

(दिनांकः 14 से 22 सितम्बर, 2020)

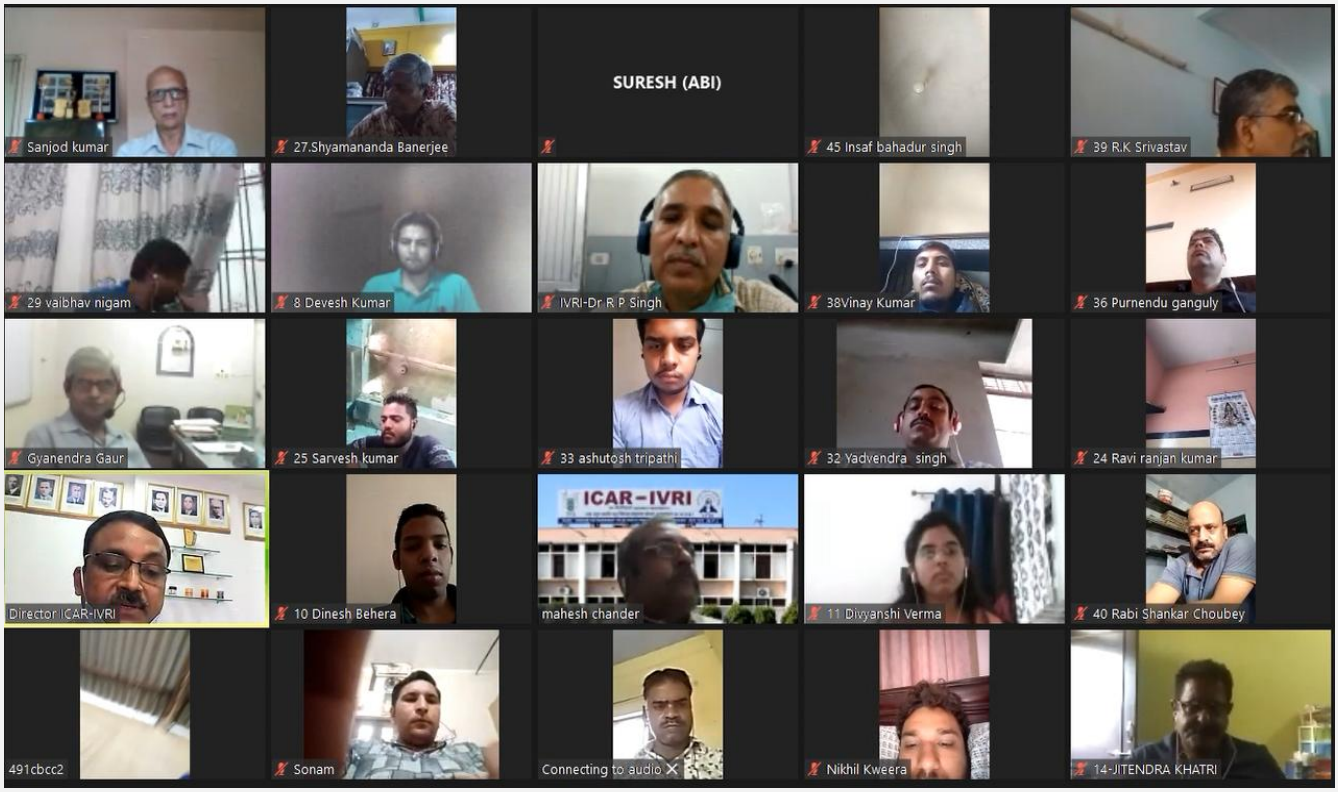

भा0कृ0अनु0प0–भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान इज्जतनगर, बरेली में एग्री–बिजनेस इन्क्युबेशन (एबीआई) केंद्र एवम् पशुधन उत्पादन और प्रबंधन अनुभाग तथा पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी विभाग, भा0कृ0अनु0प0–भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान इज्जतनगर, बरेली के संयुक्त प्रयास से आयोजित आठ दिवसीय **लाइव "डेयरी फार्मिंग और दुग्ध प्रसंस्करण"** से उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ।

यह कार्यक्रम दिनांक 14.09.2020 से 22.09.2020 तक चलेगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के 11 विभिन्न राज्यों – उत्तर प्रदेश, राजस्थान, लद्दाख, मेघालय, मध्य प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, केरल, हिमाचल प्रदेश, तथा दिल्ली के 45 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के शुरूआत मे डा. बबलू कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं सह–अन्वेषक/एग्री–बिजनेस इन्क्युबेशन प्रोजेक्ट(एबीआई) ने समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि एवं "डेयरी फार्मिंग और दुग्ध प्रसंस्करण" के समस्त विषय विशेषज्ञों तथा प्रतिभागियों का स्वागत एवं धन्यवाद करते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की।

अपने अध्यक्षीय उदबोधन में डा. बी. पी. मिश्रा, निदेशक एवं कुलपति, भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान इज्जतनगर ने समारोह में उपस्थित सभी प्रतिभागियों एवं विषय-विशेषज्ञों का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि यह आईवीआरआई का **लाइव "डेयरी फार्मिंग और दुग्ध प्रसंस्करण"** से उद्यमिता पर दुसरा ट्रेनिंग प्रोग्राम है। उन्होने बताया की आज की साइंस और टेक्नोलॉजी से यह सिद्ध हो चुका है कि अगर हमको डेयरी प्रोडक्शंन और डेयरी प्रोसेसिंग से एंटरप्रेंयूर्शिप डेवलपमेंट करना है तो टेक्नोलॉजी अडोप्शन जरूरी है। अगर हम टेक्नोलॉजी के साथ डेयरी प्रोडक्शंन और डेयरी प्रोसेसिंग को आगे बढायेंगे तो हम अपना दुग्ध उत्पादन बढा सकते है। डेयरी फार्मिंग और दुग्ध प्रसंस्करण से उद्यमिता के क्षेत्र में उद्यमिता की अपार संभावनायें हैं यदि वैज्ञानिक विधि द्वारा डेयरी फार्म को व्यवस्थित किया जाये तो उसे अधिक लाभकारी व्यवसाय के रूप में स्थापित कर सकते है। और तभी एक सफल उद्यमी बन सकते है।

पाठ्यक्रम समन्वयक, विभागाध्यक्ष जैविक उत्पाद विभाग एवं प्रधान अन्वेषक/एग्री–बिजनेस इन्क्युबेशन प्रोजेक्ट(एबीआई) डा. आर. पी. सिंह ने बताया कि संस्थान के एग्री बिजनेस इन्कुबेशन (एबीआई) केन्द्र द्वारा उद्यमिता विकास से जुड़े कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा चुका है जिनमें डेयरी पालन, दुग्ध प्रसंस्करण, फ्रोजेन सीमेन उत्पादन, सूकर उत्पादन, पशु चारा प्रौद्योगिकी एवं उच्च गुणवत्तायुक्त मांस उत्पादन, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन आदि शामिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आपस में टेलीफोन इन्टरनेट एवं सोशल मिडिया के माध्यम से जुड़ें रहें ताकि सूचनाओं एवं ज्ञान का आदान–प्रदान हो सके। इस कार्यक्रम में डा. जी. के. गौड एवं डा0 एस. के. मेंदीरत्ता द्वारा क्रमशः "डेयरी फार्मिंग और दुग्ध प्रसंस्करण" के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गयी। डा. महेश चंदर संयुक्त निदेशक (प्रसार शिक्षा) ने उद्यमिता विकास के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन जैविक उत्पाद विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. बब्लू कुमार द्वारा किया गया एवं अपने धन्यवाद ज्ञापन में डा. बब्लू कुमार ने समारोह में उपस्थित सभी प्रतिभागियों एवं विषय-विशेषज्ञों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इस अवसर पशुधन उत्पादन और प्रबंधन अनुभाग तथा पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी विभाग के वैज्ञानिक एवं आईवीआरआई पशु विज्ञान इंक्यूबेटर (टीम) उपस्थित थे।